

एक-चौथाई भारतीय डमिंशिया को खतरनाक मानते हैं

चर्चा में क्यों?

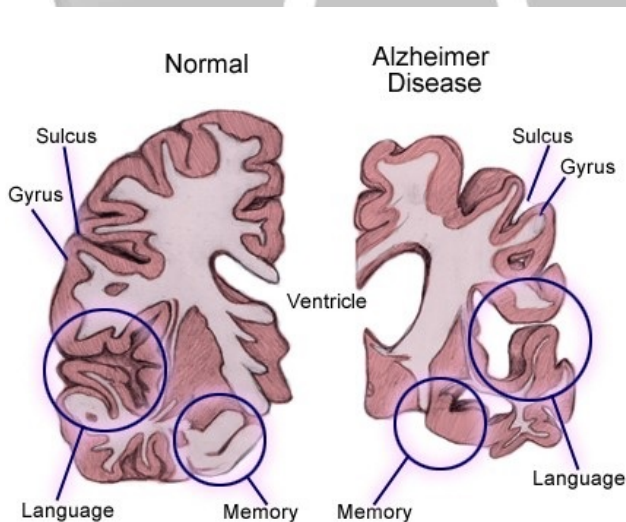
21 सितंबर को वशिव अल्ज़ाइमर दविस पर लंदन स्थिति गैर-लाभकारी संगठन अल्ज़ाइमर डिज़ीज़ इंटरनेशनल (Alzheimer's Disease International-ADI) द्वारा जारी एक रपॉर्ट में इस रोग के प्रतिलोगों के व्यवहार पर प्रकाश डाला गया है।

प्रमुख बिंदु

- लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स द्वारा 155 देशों में लगभग 70,000 लोगों पर किये गए इस सर्वेक्षण का उद्देश्य पीड़ित लोगों, स्वास्थ्य चिकित्सकों और देखभाल कर्मियों के बीच डमिंशिया के प्रतिलोगों का मापन करना था।
- रपॉर्ट के अनुसार सर्वेक्षण में शामिल लगभग एक-चौथाई भारतीय, डमिंशिया से पीड़ित लोगों को "खतरनाक" मानते हैं जबकि लगभग तीन-चौथाई लोगों ने इस बात को स्वीकार किया कि डमिंशिया से पीड़ित लोगों का व्यवहार आक्रामक और अप्रत्याशित होता है।
- सर्वे के अनुसार, डमिंशिया से प्रभावित सभी लोगों में से 50% को कभी भी औपचारिक नदिन नहीं मिलता है और चीन तथा भारत में ऐसे लोगों की संख्या 70-90% तक है।
- रपॉर्ट में वैश्विक स्तर पर डमिंशिया से पीड़ित लोगों की संख्या वर्ष 2050 तक बढ़कर 152 मिलियन होने का अनुमान व्यक्त किया गया है।
- जनसांख्यिकी अनुमानों के अनुसार, भारत में वर्ष 2100 तक कार्यशील आबादी के प्रत्येक 3 सदस्यों पर एक बुजुर्ग व्यक्ति होगा और इसके साथ ही वृद्धावस्था में डमिंशिया से पीड़ित बुजुर्गों में भी वृद्धि होगी क्योंकि इंडियन जर्नल ऑफ साइकेट्री की 2018 की रपॉर्ट के अनुसार, बुजुर्गों में डमिंशिया का प्रसार बढ़ रहा है।

क्या है अल्ज़ाइमर रोग?

- डॉ. अलोइस अल्ज़ाइमर (Alois Alzheimer) के नाम पर इस रोग का नामकरण किया गया है।
- अल्ज़ाइमर रोग अपरविरतनीय और समय के साथ बढ़ने वाला मस्तिष्क रोग है, जो धीरे-धीरे स्मृति और सोचने की क्षमता को नष्ट कर देता है। अंततः यह रोग दैनिक जीवन के सरल कार्यों को पूरा करने की क्षमता को भी समाप्त कर देता है।



- अल्ज़ाइमर रोग का सबसे सामान्य प्रकार डमिंशिया है जिससे संज्ञानात्मक विकास की गंभीर क्षति द्वारा पहचाना जाता है।
- डमिंशिया एक सडिरोम है, न कि बीमारी। यह रोग वृद्ध व्यक्तियों में अधिक पाया जाता है।
- आमतौर पर यह वृद्धावस्था में पाया जाने वाला विकार है, लेकिन यह विकार कुछ अन्य स्थितियों में पहले से अक्षम व्यक्तियों में भी पाया जा सकता है।
- वैज्ञानिक अभी तक अल्ज़ाइमर रोग होने के सटीक कारणों के बारे में जानकारी नहीं जुटा पाए हैं। इस प्रकार यह इडियोपैथिक रोग है।

- वे रोग इडियोपैथिक रोग कहलाते हैं जिनकी उत्पत्ति का कारण अथवा स्रोत अज्ञात हो।

अल्जाइमर के लक्षण

- वसिम्तुति
- भाषा संबंधी कठिनाई, जिसमें नाम याद रखने में परेशानी शामिल है।
- योजना निर्माण और समस्या के समाधान में परेशानी।
- पूर्व परिचित कार्यों को करने में परेशानी।
- एकाग्रता में कठिनाई।
- स्थानिक रशितों जैसे कि सड़कों और गंतव्य के लिए विशेष मार्गों को याद रखने में परेशानी।
- सामाजिक व्यवहार में परेशानी।

अल्जाइमर के चरण

- **प्राथमिक डमिशिया या मध्यम संज्ञानात्मक विकार** - इस रोग की पहचान संज्ञानात्मक स्तर में गिरावट के आधार पर की जाती है। इस रोग में दैनिक जीवन की गतिविधियों को स्वतंत्रतापूर्ण बनाए रखने के लिये प्रत्यूक रणनीतियों और सामजस्य की आवश्यकता होती है।
- **मध्यम अल्जाइमर डमिशिया** - इस रोग को दैनिक जीवन की बाधति होने वाली गतिविधियों के लक्षणों द्वारा पहचाना जाता है। रोगी को जटिल कार्यों जैसे कि वित्तीय प्रबंधन के लिये पर्यवेक्षण की ज़रूरत पड़ती है।
- **गंभीर अल्जाइमर डमिशिया** - इस विकार को दैनिक जीवन की गंभीर रूप से बाधति गतिविधियों के लक्षणों द्वारा पहचाना जाता है। इसमें रोगी आधारभूत ज़रूरतों को पूरा करने के लिये पूरी तरह से दूसरों पर निर्भर होता है।

प्रबंधन

अल्जाइमर रोग के लिये उपचार को चिकित्सा, साइकोसोशल और देखभाल में वभिजति किया जा सकता है।

1. चिकित्सा

- कोलीनेस्टरेस इन्हीबिटर्स-एसटाइलकोलाइन एक रसायन है, जो कतिंत्रिका संकेतों को गतिशील बनाए रखता है तथा मसृत्षिक की कोशिकाओं के भीतर संदेश प्रणाली में मदद करता है।
- अल्जाइमर के उपचार के लिये वभिन्नि प्रकार की दवाओं का उपयोग किया जाता है। डोनेपेजलि, रविइस्टगिमनि, गेलन्टामाइन दवाओं तथा ममिन्टाइम केमिकल का उपयोग मध्यम अल्जाइमर रोग के साथ-साथ गंभीर अल्जाइमर रोग के लिये किया जा सकता है।

2. साइकोसोशल

- साइकोसोशल इन्टर्वेन्शन के उपयोग को संयुक्त रूप से सहयोगात्मक, संज्ञानात्मक और व्यवहारिक दृष्टिकोण में वर्गीकृत किया जा सकता है।

3. देखभाल

- औषधीय उपचार से अल्जाइमर से पीड़ति रोगी को पूरी तरह से उपचारति नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार अनविर्य देखभाल ही उपचार है तथा इसके माध्यम से इस रोग की अवधति को सावधानीपूर्वक प्रबंधति किया जा सकता है।

स्रोत : द हद्दि